E-Learning Study Material

By- Prof (Dr) YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE, ARA
V. K. S. UNIVERSITY, ARA BIHAR

BA. Economics Hons First Year

Q. Describe Uncertainty-Bearing Theory OR, Knights theory of PROFIT.

(The Knight's Theory of Profit was proposed by Frank. H. Knight, who believed Profit as a reward for uncertainty-bearing, not to risk. Simply Profit is the residual return to the entrepreneur for bearing the uncertainty in business... The risk can be classified as a calculable and non-calculable risk)

— FRANK. H. KNIGHT.

Scanned with CamScanner

लाभ का अनिश्चितता उठाने का सिद्धान्त
या, नाइट का सिद्धान्त :
(Uncertainty Bearing theory OF PROFIT OR, Knight's theory OF PROFIT)

सिद्धान्त का व्याख्या :- लाभ के अनिश्चितता-सिद्धान्त का प्रतिपादन सुप्रसिद्ध प्रो नाइट (Knight) ने किया है। प्रो० नाइट के अनुसार, लाभ साहसी को जोखिम उठाने के कारण प्राप्त नहीं होता, बल्कि यह उसे अनिश्चितता सहन करने के बदले में मिलता है।

प्रो० नाइट ने जोखिम को दो भागों में बाँटा है : (i) ज्ञात जोखिम (Known Risks)
(ii) अज्ञात जोखिम (Unknown Risks)
प्रथम प्रकार के जोखिम को हम बीमा योग्य जोखिम (Insurable Risk) कह सकते है। प्रथम प्रकार के जोखिम अर्थात ज्ञात जोखिम के अन्तर्गत अग्निकाण्ड, मृत्यु, दुर्घटना, टूट-फूट आदि घटनाओं को शामिल किया जा सकता है। इन सबघटनाओं का अनुमान सांख्यिकी (statistics) की सहायता से पहले ही लगा लिया जाता है। इस प्रकार की सारी घटनाओं

Scanned with CamScanner

की Page-3
अनिश्चितता का बीमा साहसियों द्वारा कर लिया जाता है और बीमा कम्पनियाँ अनिश्चितता को जोखिम स्वयं अपने ऊपर ले लेती हैं। साहसी को इस प्रकार के अनिश्चित जोखिम झेलने का कोई पुरस्कार नहीं मिलता क्योंकि जोखिम झेलने का पूरा भार बीमा कम्पनियों पर डाल दिया जाता है, परन्तु दूसरी श्रेणी की जोखिम अज्ञात जोखिम है जिसका पूर्वाभास नहीं हो सकता, अर्थात् ऐसे जोखिम के बारे में सही-सही जानकारी प्राप्त नहीं की जा सकती है। अतः इनका बीमा नहीं किया जाता है। इस प्रकार के जोखिमों को स्वयं साहसी ही झेलता है। प्रो० नाइट (Knight) ने इस प्रकार के जोखिमों को अनिश्चितता (Uncertainty) कहा है। उनके अनुसार जोखिम ऐसे खतरों को कहते हैं, जिनके सम्बन्ध में पूर्वानुमान लगाया जा सकता है और जिनका बीमा भी किया ~~जाता है~~ जा सकता है। अनिश्चितता में उतार-चढ़ाव आते हैं, जैसे- उत्पादक किसी वस्तु का उत्पादन इस आशा से करता है कि वह उस वस्तु को ऊँचे मूल्यों में बेच सकेगा। परन्तु किसी कारण यदि उसकी वस्तु संभावित मूल्य से कम पर बिकती है तो उसे हानि होती है। यह एक ~~अनिश्चित~~ अनिश्चित जोखिम का उदाहरण है। साहसी को ऐसी अनिश्चितताएँ झेलने का पुरस्कार लाभ के रूप में प्राप्त होता है। व्यवसाय में जितनी ही अधिक अनिश्चितता होगी, साहसी को उतनी ही अधिक लाभ प्राप्त होने की संभावना

रहेगी। अतः नाइट (Knight) के अनुसार साहसी को जोखिम के लिए नहीं बल्कि अनिश्चितता उठाने के कारण लाभ मिलता है।

आलोचना (Criticism) —

लाभ के अनिश्चितता सिद्धान्त की प्रमुख आलोचनाएँ निम्नलिखित हैं—

(i) लाभ केवल अनिश्चितता उठाने का पुरस्कार नहीं है - आलोचकों का कहना है कि साहसियों को जो लाभ प्राप्त होता है वह केवल अनिश्चितता के कारण ही नहीं मिलता। साहसी अनिश्चितता झेलने के अतिरिक्त अन्य महत्वपूर्ण कार्य भी करता है। जैसे योजना बनाना निर्णय लेना, व्यवस्था तथा नवप्रवर्तन का कार्य करना आदि अतः लाभ केवल अनिश्चितता उठाने का पुरस्कार नहीं है। बल्कि वह अन्य अनेक गुणों एवं कार्यों के सहयोग से भी प्राप्त होता है।

(ii) प्रत्येक व्यवसाय में अनिश्चितता की कुछ न कुछ मात्रा अवश्य होती है जो साहसी के द्वारा सहन की जाती है। अतः अनिश्चितता उत्पादन का पृथक साधन नहीं हो सकता अतः यह कहना भी सही नहीं है कि लाभ अनिश्चितता को सहन करने का पुरस्कार है।

(iii) अनिश्चितता अन्य तत्वों में से एक तत्व है जो साहसियों की पूर्ति को सीमित करके लाभ पैदा करता है। अन्य तत्व (अवसरों की असमानता, पूँजी की कमी आदि) भी लाभ को जन्म देते हैं।

Scanned with CamScanner